Class VI H·Hindi

Ch- 1 -

(1)

classmate

Date

Page

मौखिक →

क→ इसकी चोटी इतनी ऊँची है कि संपूर्ण धरती के ताज के समान लगती है। इसलिए इसे सकल धरती का ताज कहा गया है।

ख→ गंगा के बचपन से आशय है वह स्थान जहाँ से गंगा का उद्‌गम होता है अर्थात गंगोत्री।

ग→ हिमालय और भारतवासियों में यह समानता है कि दोनों ही अडिग और अविचल हैं। दोनों ही अमर और अविनाशी हैं।

लिखित -

क→ हिमालय के प्रभात और संध्या की यह विशेषता है कि इसके ऊँचे-ऊँचे शिखरों के प्रभाव के कारण प्रभात और संध्या एक जैसे लगते हैं यानी जैसा दृश्य सूर्य उदय होने के समय भी दिखाई देता है। वैसा ही दृश्य अस्त होने के समय भी दिखाई देता है।

ख→ बादल जब हिमालय से टकराते हैं तो पानी के रूप में बरस पड़ते हैं जबकि तूफ़ान हिमालय की विशाल चोटियों से टकराकर समाप्त हो जाते हैं।

ग→ हिमालय हमें परिस्थितियों से लड़ने और हर मुश्किल घड़ी में अडिग अविचल रहने का संदेश देता है। हम दुख में भी मुसकुराएँ, सबका साथ दें और ज़रूरतमंदों को आसरा दें, यही हिमालय हमें सिखाता है।

आशय स्पष्ट

(i) उदय- अस्त से आशय है- सुख-दुख के पल। इस धरती का हर व्यक्ति खुशी-खुशी जीवन में आनेवाले

उतार-चढ़ावों का सामना करता है।

ii इसकी छाया में तूफ़ान की हवा जलते चिराग़ों तक नहीं पहुँच पाती और वह बुझता नहीं।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

श्रुतलेख

सकल, अंबर, निरावरण, मस्तक, गिरिराज, अरुणोदय, प्रभात, अस्त, पद-तल, अडिग, अविचल, विपदा, तूफ़ान

कविता से...

मौखिक

क. हिमालय को सकल धरती का ताज क्यों कहा गया है?
ख. 'गंगा का बचपन' से क्या आशय है?
ग. हिमालय और भारतवासियों में क्या समानता बताई गई है?

उद्देश्य:- **Oral Expression**
• अर्थ-बोध • reasoning
• comparison

लिखित

क. हिमालय के प्रभात और संध्या की क्या विशेषता है?
ख. हिमालय बादल और तूफ़ानों का क्या हश्र करता है?
ग. हिमालय हमें क्या संदेश देता है?

उद्देश्य:- **Written Expression**
• inference
M.I. naturalistic

आशय स्पष्ट कीजिए—

i. इस धरती का हर लाल खुशी से उदय-अस्त अपनाता है।
ii. इसकी छाया में तूफ़ान चिरागों से शरमाता है।

सही उत्तर चुनकर ✓ लगाइए—

• choosing right answer

क. 'गिरिराज' किसे कहा गया है?
☐ पर्वत को ☐ राजा को ☑ हिमालय को ☐ जंगल को

ख. जो हिमालय की छाया में हैं उनमें क्या खास बात होती है?
☐ वे महान होते हैं ☑ वे किसी के सामने झुकते नहीं
☐ वे बीमार होते हैं ☐ वे दुख में भी मुसकराते हैं

ग. बादलों के टकराकर पानी बनने का क्या आशय है?
☑ वर्षा होना ☐ नदियाँ बहना ☐ बाढ़ आना ☐ आँसू बहना

MobAPP

सोचकर लिखिए—

Values • love for nature
• sensitivity

प्रगति के अंधानुकरण का दुष्प्रभाव प्रकृति के समस्त उपादानों पर पड़ा है।
पर्वत भी इससे अछूते नहीं हैं— अपने विचार लिखिए।

Scanned with CamScanner

(५)

भाषा से...

1. **विलोम** शब्द लिखिए— • antonyms

हिंसा	— अहिंसा	उदय	— अस्त
छाया	— धूप	बचपन	— यौवन
अपनाना	— ठुकराना	देश	— विदेश

2. नीचे दिए गए शब्द कविता में आए तीन शब्दों के पर्यायवाची हैं। प्रत्येक शब्द के **पर्यायवाची** छाँटकर उसके नीचे लिखिए— • synonyms

देवनदी, धरणी, पृथ्वी, भागीरथी, सिंधु, सुरसरि, जलधि, धरा, समुद्र

गंगा	धरती	सागर
देवनदी	धरणी	सिंधु
भागीरथी	पृथ्वी	जलधि
सुरसरि	धरा	समुद्र

3. कविता में आए **तुकांत शब्दों** की सूची बनाइए— • तुकांत शब्द

ताज–पर्वतराज,

4. पर्वत — प्+अ+र्+व्+अ+त्+अ   अस्त — अ+स्+त्+अ

ऊपर दिए शब्दों के प्रत्येक वर्ण की एक-एक ध्वनि को अलग-अलग करके लिखा गया है, इसे **वर्ण-विच्छेद** कहा जाता है। इसके द्वारा शब्दों के बनने की प्रक्रिया को सरलता से समझा जा सकता है।

• **वर्ण-विच्छेद** कीजिए— • वर्ण-विच्छेद

i. संध्या — स् + अ + न् + ध् + य् + आ
ii. निरावरण — न् इ र् आ व् अ र् अ ण् अ
iii. प्रभात — प् र् अ भ् आ त् अ
iv. वेदों — व् ए द् ओं

5. तत्सम वे संस्कृत शब्द हैं जिनका प्रयोग हिंदी में ज्यों का त्यों किया जाता है। जैसे— सूर्य, चंद्र, दुग्ध आदि। भाषा के विकास के नियमों के कारण जिन तत्सम शब्दों का रूप बदल गया है वे तद्भव कहलाते हैं। जैसे— सूर्य से सूरज, चंद्र से चाँद, दुग्ध से दूध। • तत्सम-तद्भव

Scanned with CamScanner

(5)

- कविता में आए **तत्सम-तद्भव** शब्द छाँटकर लिखिए—

तत्सम — पर्वत सकल, धरती, चरण, मुख, मस्तक, प्रभात।

तद्भव — पहाड़ सिर, पानी, छाया, ऊँची, पहली।

6. किसी भी नाम को **संज्ञा** कहते हैं, जैसे— आपका नाम मीना है। आप कोलकाता शहर में रहती हैं। आपकी पाठ्यपुस्तक का नाम गुंजन है। मीना, कोलकाता, गुंजन— ये सभी नाम यानी, संज्ञा शब्द हैं। जब यह नाम किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के लिए आता है, तब इसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहा जाता है। जैसे— रिक्त स्थान में दिए गए सभी नाम व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं परंतु 'नाम', 'शहर' और 'पुस्तक' शब्द जाति विशेष के हैं, इसलिए ये **जातिवाचक संज्ञाएँ** हैं। इसी प्रकार जिन संज्ञाओं को छुआ न जा सके, केवल महसूस किया जा सकता है, उन्हें **भाववाचक संज्ञा** कहा जाता है। जैसे— प्यार, सुख, मानवता, अभिमान आदि।

• kinds of noun

- दिए गए शब्दों को **संज्ञा-भेद** के अनुसार चुनकर लिखिए—

पर्वत, बचपन, खुशी, हिमालय, ताज, बादल, गंगा, भारत, लाली

व्यक्तिवाचक —	हिमालय	गंगा	भारत
जातिवाचक —	पर्वत	बादल	ताज
भाववाचक —	बचपन	खुशी	लाली

सुझावित रचनात्मक गतिविधियाँ

अपनी रुचि के अनुसार कोई एक गतिविधि चुनकर कीजिए—

1. पर्वतीय इलाकों में रहनेवाले लोगों का जीवन मैदानी इलाकों में रहनेवाले लोगों के जीवन से कठिन होता है— परिचर्चा आयोजित कीजिए।
2. यदि पर्वत बोल पाते तो हमसे क्या कहते— संवाद रूप में लिखिए।
3. किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए—
   i. पर्वतीय प्रदेशों में पर्यटन के लाभ-हानि। ii. यदि पर्वत न होते तो...
4. भारत के मानचित्र पर हिमालय से निकलनेवाली नदियों के नाम अंकित कीजिए।
5. इस कविता को कंठस्थ कर राष्ट्रीय त्योहारों पर सुनाइए।

• discussion
• dialogue writing
• paragraph writing
• map work
• recitation

Multiple Intelligences
- musical
- intrapersonal
- bodily kinesthetic

पाठ से आगे

1. छुट्टियों में पर्वत शृंखलाओं पर पर्वतारोहण के लिए जाइए और पर्वतीय जीवन की विविधता का स्वयं अनुभव कीजिए। अपने खींचे गए चित्रों का एक एलबम बनाकर कक्षा में दिखाइए।
2. हिमालय की प्रमुख चोटियों और दर्रों (passes) के नामों की सूची बनाइए।
   en.wikipedia.org/list of himalayan peaks and passes

Scanned with CamScanner